



AI के सामाजिक परिणाम और चुनौतियां

Prema Thuwal, Assistant Professor, Department of Education, Pal College of Technology and Management, Kumaun University, Premathuwal68@gmail.com

शोध सारांश

आज हम जिस युग में जीवन यापन कर रहे हैं वह तकनीकी का युग है। तकनीकी ने मनुष्य जीवन को आसान बना दिया है। तकनीकी का सरल मतलब है काम करने का ऐसा तरीका जो खास ज्ञान, कौशल और औजारों का इस्तेमाल करके किया जाता है।

AI का अर्थ है कृत्रिम बुद्धिमत्ता।

सरल भाषा में, यह एक ऐसी तकनीक है जो कंप्यूटर और मशीनों को इंसानों की तरह सोचने, समझने और काम करने लायक बनाती है। जैसे यदि हम जब गूगल पर कुछ सर्च करते हैं और वह आपको सही जवाब देता है, तो वह AI है। इसी प्रकार जब आपका फोन चेहरा देखकर या पिन डालकर लॉक खोलता है, तो वह AI का काम है। चैटबॉट, जो आपके सवालों का जवाब देता है वह AI पर आधारित है। जहां आज आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) ने आधुनिक समाज में उल्लेखनीय प्रगति की है, वही मानव जीवन के लगभग सभी क्षेत्रों को प्रभावित भी कर रहा है। यह शोध अध्ययन AI के सामाजिक परिणामों और उससे उत्पन्न चुनौतियों का अध्ययन और विश्लेषण करता है। इसके सकारात्मक प्रभावों में स्वास्थ्य, शिक्षा, उद्योगों में सुधार शामिल हैं, जबकि नकारात्मक प्रभावों में बेरोजगारी, डेटा गोपनीयता के मुद्दे और नैतिकता से संबंधित प्रश्न शामिल हैं। यह शोध AI से जुड़े दीर्घकालिक प्रभावों, नैतिक चिंताओं और समाधान उपायों पर केंद्रित है। इस शोध में गुणात्मक शोध विधि तथा द्वितीयक डाटा स्रोतों का उपयोग किया गया है।

निष्कर्षतः, यह स्पष्ट होता है कि AI आज के समय में कार्य को सरल करने के लिए अतिआवश्यक है परन्तु इसे जिम्मेदारीपूर्वक विकसित करना और उपयोग करना अनिवार्य है अन्यथा यह वरदान के साथ ही घातक भी सिद्ध हो सकता है।